A

Presentation

ON

Multiple Innovations and Extensive Reforms in Examination Systems and Processes in Bihar School Examination Board

BY

Anand Kishor, IAS
Chairman,
Bihar School Examination Board
(Application No.- INNO/00078)

Innovations and Use of Advanced Technology for Reforms

Multiple innovations in the reform process of BSEB made the new system much faster, credible, more transparent, error free & student friendly

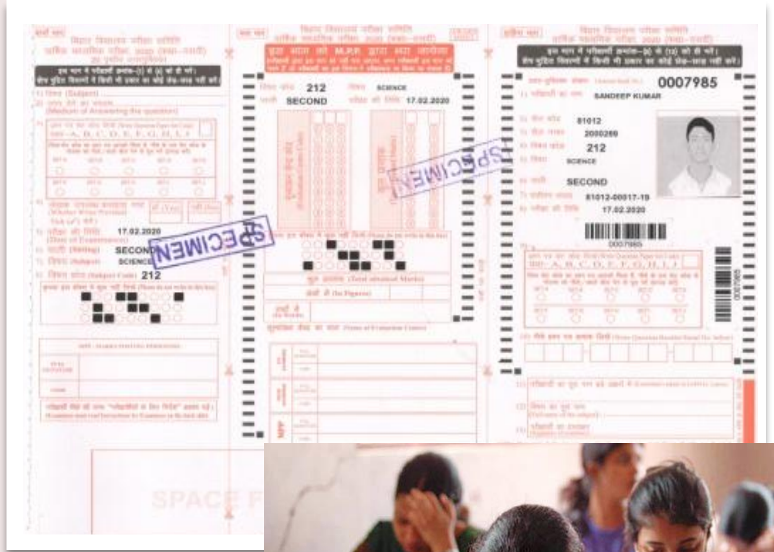

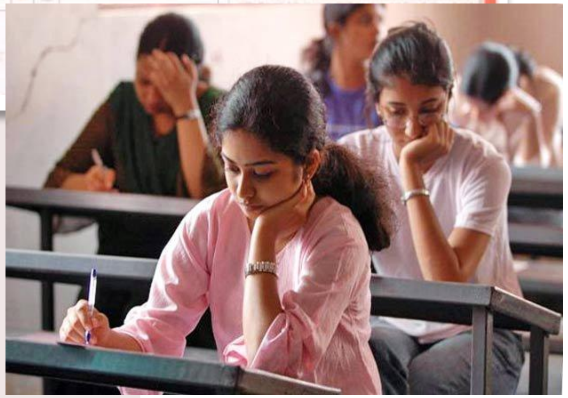

1. Around 3.60 Crore pre-printed answer booklets (with OMR cover) and OMR sheets were printed and supplied to each student, with student's photo, name, roll number and other details pre-printed on answer booklets, and multiple barcodes and litho-codes were printed on each of these 3.60 crore sheets- for coding and decoding.
2. Many new computer scannable formats were designed- to capture multiple data, related to examination and result, and for faster processing of data and result. All important formats and documents like flying slips, award sheets, marks foil, absentee sheets etc. were made digitally scannable.
3. Use of technology for the tracking of logistics to the examination centers and vice-versa.
4. Several security features including QR code, M-sign etc have been introduced in marksheets and certificates of the students with which these marksheets and certificates can be verified from any corner.

Innovations and Use of Advanced Technology for Reforms

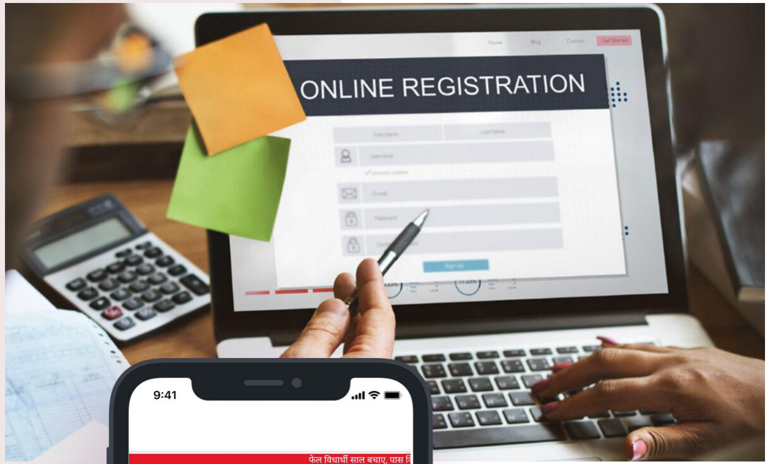

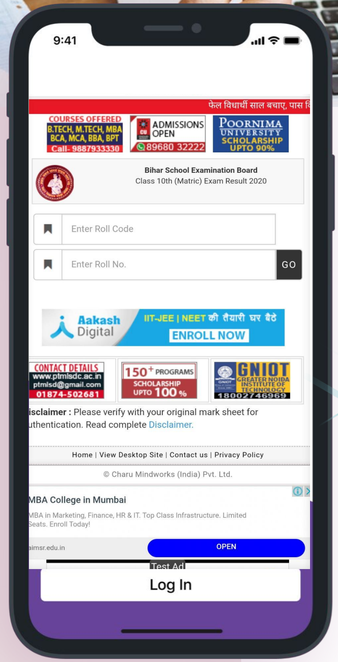

5. New software's were developed and designed by BSEB, to automate the details at Barcoding Centres.

6. Computerisation of the entire process by implementing pre-exam software and post-exam software.

7. "BSEB APPS" were developed for- constant vigilance of the entire processes.

8. Online registration of around 30 lakh students was done, which was earlier done manually

9. Award 5.8 Crore different formats like OMR/flying slips/award sheets/marks foils etc were scanned by use of high-speed scanners and their data was digitally processed by use of information technology to expedite the result processing and declare the Board results within record time with the highest degree of accuracy.

Innovations and Use of Advanced Technology for Reforms

सबक से बदलाव 2017 में इंटर आर्ट्स टॉपर गणेश का मामला प्रकाश में आने के बाद टॉप-20 का होने लगा फिजिकल वेरिफिकेशन

नई तकनीकी और दस के दम पर बिहार बोर्ड देश में सबसे आगे

जयशंकर बिहारी • पटना

माध्यमिक वार्षिक परीक्षा (मैट्रिक) का रिजल्ट अप्रैल प्रथम सप्ताह में जारी होने के पीछे बिहार बोर्ड के दो वर्षों की मेहनत है। टॉपर घोटाले के बाद बोर्ड की साख स्थापित करना सबसे बड़ी चुनौती थी। 2017 में इंटर आर्ट्स टॉपर गणेश कुमार ने बोर्ड को झटका दिया। इसके बाद से बोर्ड प्रशासन ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। रजिस्ट्रेशन से रिजल्ट तक की प्रक्रिया में 10 बड़े बदलाव किए गए। पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन करने के बाद त्रुटियों को दूर करने के लिए टेक्नोलॉजी का प्रयोग बड़े स्तर पर किया जा रहा है। बोर्ड की आइटी टीम ने स्थानीय समस्याओं को ध्यान में रखते हुए सॉफ्टवेयर तैयार किए। इसके माध्यम से हर दिन रिजल्ट तैयार होने के साथ-साथ पांच स्तर पर उसकी जांच संभव हो सकी। डमी रजिस्ट्रेशन व एडमिट कार्ड, नियमित कार्यशाला, कदाचारमुक्त वातावरण में परीक्षा, लिथो व बार कोड युक्त कॉपी, स्टेप वाइज मार्किंग, मूल्यांकन के साथ मार्क्सशीट पर अंक अप-टू-डेट, फिजिकल वेरिफिकेशन, कार्यशाला, निरंतर संचार व जिला प्रशासन की बड़े स्तर पर भागीदारी ने बोर्ड को देश में टॉपर बनाने में बड़ी भूमिका निभाई।

डमी रजिस्ट्रेशन व एडमिट कार्ड : रजिस्ट्रेशन और प्रवेश पत्र में किसी भी स्तर पर त्रुटि नहीं रहे, इसके लिए बिहार बोर्ड ने डमी रजिस्ट्रेशन व एडमिट कार्ड जारी करना प्रारंभ किया। बिहार बोर्ड यह प्रक्रिया अपनाने वाला देश में इकलौता संस्थान है। त्रुटि में सुधार के लिए परीक्षार्थियों को पांच मौके दिए गए। बोर्ड का मानना है कि एक बार सही डेटा सॉफ्टवेयर में सैबमिट कर देने पर अंक और प्रमाणपत्र त्रुटिरहित होते हैं।

कदाचार मुक्त माहौल में परीक्षा : 2015 में परीक्षा भवन के चौथे तल की खिड़की से लटककर चोरी कराते हुए फोटो विदेशी अखबारों में भी खूब छपे थे। इससे बोर्ड की बड़ी किरकिरी हुई थी। अब बोर्ड की परीक्षा सख्ती के लिए जानी जाती है। सीसीटीवी और मजिस्ट्रेट की निगरानी में कंट्रोल रूम से मॉनिटरिंग की जाती है। परीक्षार्थियों के बीच प्रश्नपत्रों के 10 सेट वितरित किए जाते हैं।

प्रश्नपत्र का पैटर्न बदला : परीक्षार्थी अच्छे अंक प्राप्त करें। इसके लिए बोर्ड ने प्रश्न पत्र में बड़े स्तर पर बदलाव किए। 50 फीसद प्रश्न बहुविकल्प वाले वस्तुनिष्ठ, 30 फीसद लघु व 20 फीसद दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछे गए। लघु के 75 फीसद व दीर्घ के 100 फीसद विकल्प दिए गए थे।

लिथो व बार कोड युक्त कॉपी : परीक्षार्थियों की कॉपी पर लिथो व बार कोड, रौल नंबर, कोड नंबर, नाम, केंद्र सहित 28 तरह की जानकारी प्रिंट की हुई मिलती है। बिहार बोर्ड प्रिंट कॉपी उपलब्ध कराने वाला देश का इकलौता बोर्ड है। पांच माध्यमों से कॉपी में दर्ज सूचनाओं की जांच की जा सकती है।

स्टेप वाइज मार्किंग

बिहार बोर्ड के परीक्षार्थियों के अंक फीसद में वृद्धि के लिए सीबीएसई की तर्ज पर स्टेप वाइज मार्किंग की व्यवस्था की गई। इसके साथ ही सफल छात्रों को सीबीएसई की तरह मॉडरेशन का लाभ भी दिया गया।

फिजिकल वेरिफिकेशन

इंटरमीडिएट परीक्षा-2017 में आर्ट्स टॉपर गणेश से जुड़े विवाद के बाद बोर्ड ने टॉप-20 परीक्षार्थियों का फिजिकल वेरिफिकेशन कराने का निर्णय लिया। इस दौरान टॉपर की हैंड राइटिंग, उम्र, ज्ञान सहित तमाम पहलुओं को परखा जाता है।

हर स्तर पर कार्यशाला

बोर्ड ने परीक्षा में नए टेक्नोलॉजी के उपयोग के साथ-साथ इससे कर्मियों को सहज कराने के लिए नियमित रूप से कार्यशाला का आयोजन किए। सभी जिला मुख्यालयों में मूल्यांकन व परीक्षा के अन्य पहलुओं की जानकारी के लिए कार्यशाला का आयोजन किए गए।

जिला प्रशासन की सक्रियता बढ़ी

बोर्ड की परीक्षा में जिला प्रशासन की सक्रिया बढ़ाई गई। शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव व बोर्ड अध्यक्ष के स्तर से लक्ष्य निर्धारित कर मॉनीटरिंग की गई। जिससे मूल्यांकन समय पर हो सका।

मूल्यांकन के साथ ही मार्क्सशीट में अंक अपटूडेट

इस बार स्कैन सर्वर के माध्यम से मूल्यांकन के साथ ही परीक्षार्थियों का अंक मार्क्सशीट पर दर्ज हो जाता था। मूल्यांकन केंद्र से प्रत्येक दिन शाम में संबंधित विषय के नंबर कोड के साथ सबमिट होते थे। उसी समय विषय का प्राप्तांक जुड़ जाता था। इस तरह मूल्यांकन के साथ ही परीक्षार्थियों के अंकपत्र तैयार हो रहे थे।

बोर्ड का कामकाज हुआ डिजिटलाइजेशन

बिहार बोर्ड पिछले तीन साल से पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन संचालित कर रहा है। इसके साथ ही बोर्ड के कामकाज को डिजिटलाइज्ड कर दिया गया। इस कारण फाइलों के पीछे दौड़ लगाने के बजाए, चंद मिनटों में ईमेल और वाट्सएप ग्रुप के माध्यम से फैसले व निर्देश साझा किए जा रहे हैं।

10. New software’s were developed and designed by the IT team of Bihar School Examination Board, to automate the details at Barcoding Centres in all districts of Bihar.

11. New software for online entry of marks of evaluated copies was introduced for evaluation centres in all district of the state.

12. More than 2100 computers were used for online entry of marks by using the concept of checker and maker.

13. Implementation of double barcoding system, for removing chances of loss of data.

Online Facilitation System For Students (OFSS)

Introduction of Online Facilitation System for Students (OFSS) for Admission in over 3,300 BSEB Affiliated Inter Colleges/Schools

As per an estimate, around 240 Crore Rupees, of students was saved in 2018 & 2019, besides saving of time and trouble, by introduction of OFSS for admission.

Online Facilitation System for Students (OFSS) was introduced in the year 2018 for online centralized admission of around 11 lakh students in more than 3,200 inter colleges in Bihar in 2018 and around 12.15 lakh students in 2019 in 3,332 schools/colleges in Bihar.

Prior to this, these students had to physically apply in each of the schools/ colleges for admission, but by introduction of this Online System, each student can apply in around 20 colleges each at one time, by payment of Rs. 300/- only. On the basis of this, they are allotted colleges by computerized online system, based on their merit (marks) and choice of college, which was done for the first time in 2018, and the same has been repeated in 2019 also. Lakhs of students of Bihar, especially from remote rural areas, are no longer required to visit different institutions in different districts to submit their applications, which is saving them both their time and money. Thus, this online enrolment system is a revolution benefitting lakhs of students from Bihar and outside.

BSEB: First Board to declare Result in the country in 2019 & 2020
(on 30th March in 2019 & on 24th March in 2020)

- BSEB was the **FIRST BOARD IN THE COUNTRY** to declare the Board result in the month of March itself (in 2019), even when its exams were held along with other Boards. This was the **FASTEST BOARD RESULT** in India.
- Not only this, even in the year 2020, BSEB has declared the Intermediate Board results in the Month of March itself. Again this was the **Fastest Board Result in the Country.**
- In 2019, the Bihar School Examination Board completed the Examination Cycle i.e. Annual and Compartmental Examinations as well as Compartmental Examinations of Matric and Intermediate – All these four Exams in 2019 were completed & their Results declared by May 2019, which is again a **Unique Record in the Country**.
- BSEB in the year 2018 also introduced **50% OBJECTIVE QUESTIONS** as well as **SHORT QUESTIONS** in line with the competitive Examinations.
- This all reforms have led to students from National Board of Nepal and from other boards of the country –like CBSE, **Jharkhand, UP, Haryana, Himachal Pradesh, Madhya Pradesh** etc coming to take admissions in BSEB.

Development of Infrastructure to facilitate Students

Construction of 9 Mega Examination Centres in each of 09 Divisional Headquarters of Bihar

9 Mega Examination Centres have been constructed in 09 Divisional Headquarters of Bihar, where around five thousands (in each centre) students shall be able to take examinations under CCTV surveillance and most importantly through Webcasting, the examinations can be monitored through control rooms set up at BSEB Headquarter in Patna and also at respective DMs Office.

Development of Infrastructure to facilitate Students

BSEB Pariksha Parisar- The Largest Examination Complex of India

We conceptualised and sanctioned the Largest Examination Complex of India- the "BSEB Pariksha Parisar"- in Patna at the cost of Rs 263.4 crores, with the total capacity of around 25000 students- i.e. around 20,000 student capacity for offline examinations and around 5,000 student capacity for online examinations.

This "**BSEB Pariksha Parisar**" will be having state of the art features, with advanced control and vigilance mechanism like CCTV cameras, webcasting, advanced control centre etc, which will be very useful in conducting examinations in a manner which is totally fair and strict.

Establishment of Regional Offices in all 09 Divisional Headquarters of Bihar and also New Delhi

Regional Offices in all 09 Divisional Headquarters of Bihar and also New Delhi has been established by the Bihar School Examination Board. As a result of this, students are getting their work done in these regional offices and they don't need to come to Patna for such work.

For the convenience of students from Bihar, who are based in Delhi & NCR for higher education or for work, the BSEB has set up a regional office in New Delhi in 2019.

Development of DMS (Document Management System) for BSEB

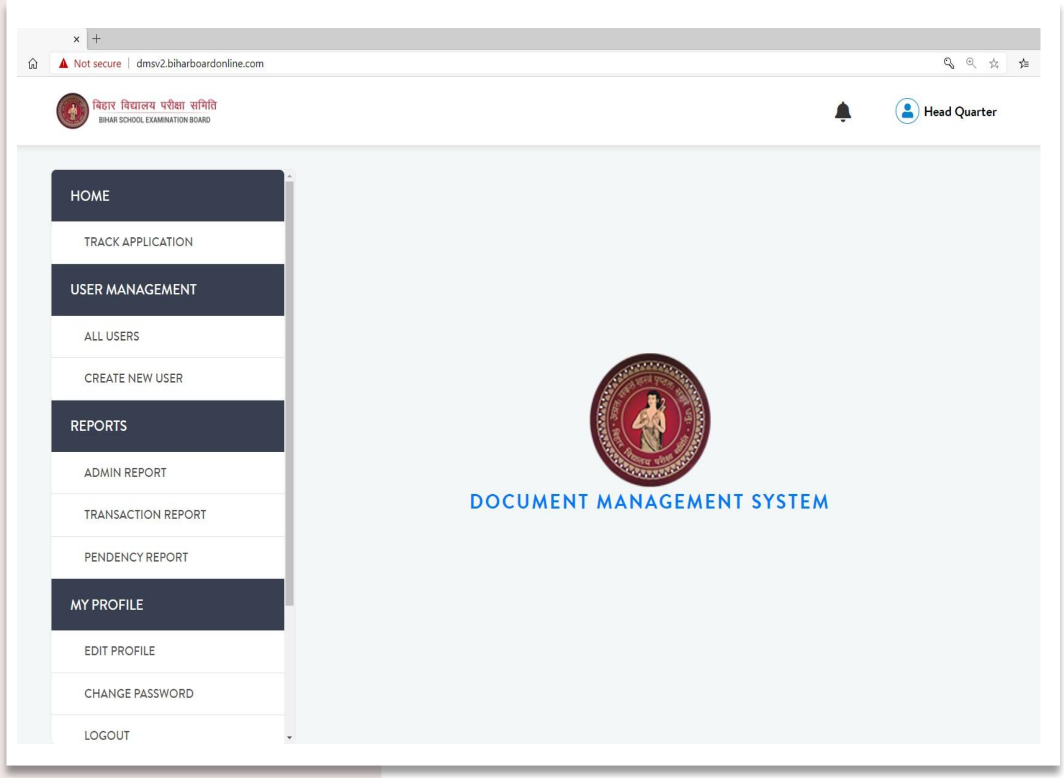

Document Management System (DMS) was developed by Bihar School Examination Board to enable all NINE REGIONAL CENTRES in Bihar for executing and accomplishing all the student related work like issuing of duplicate marksheets, certificates, migration certificates & minor and major corrections etc. This has greatly helped the students of Bihar, because this DMS has enabled their work to be done in a record time and also they don't have to come to Patna for any work related to BSEB.

Digitisation of Records of last 37 years (from 1983 to 2020)

The Bihar School Examination Board has digitised Records of students who have passed Matric & Intermediate Examinations from the BSEB for eliminating malpractices. The records of students have been digitised for the last 37 years (from 1983 till 2020), which has achieved multiple purposes.

Zero tolerance in conduct of Examinations ensure free and impartial test of 30 lakh students

"Zero tolerance" policy has been adopted for conduct of Examinations in very strict and impartial manner. In addition to this, ten sets of question papers were prepared in all subjects for eliminating the possibility of cheating in the examination, which were conducted in very strict and fair manner. In addition to this, ten sets of question papers were prepared in all subjects for eliminating the possibility of cheating in the examination, which were conducted in very strict and fair manner. This has ensured free and impartial test of 30 lakh students.

कभी थी हालत 'गंभीर', अब बिहार बोर्ड दूसरों के लिए नजीर

उम्मीदें 2020

20 दिनों में जारी कर रहा परिणाम परीक्षा प्रणाली को जानने पहुंच रही दूसरे राज्यों की टीम, हाल ही में पहुंची नेपाल बोर्ड की टीम

नलिनी रंजन • पटना

कभी अपनी खस्ताहाल कार्य-संस्कृति के लिए बदनाम रहा बिहार विद्यालय परीक्षा समिति आज दूसरों के लिए उदाहरण बना हुआ है। परीक्षा समिति ने हाल के वर्षों में कई उपलब्धियां अपने नाम की हैं। वर्ष 2019 भी इनके लिए जाना जाएगा। इनके कारण बोर्ड का नाम देश ही नहीं विदेशों में गर्व के साथ ऊंचा हुआ है। चाहे 20 दिनों के भीतर परिणाम जारी करने की उपलब्धि हो या त्रुटिहीन परीक्षाफल का प्रकाशन, कई रिकॉर्ड बिहार बोर्ड ने अपने नाम किए हैं।

इन उपलब्धियों को हासिल करने में समिति के अध्यक्ष आनंद किशोर की पहल एवं मार्गदर्शन की काफी महत्वपूर्ण भूमिका रही। इसकी तारीफ देश के कई अन्य राज्यों के परीक्षा बोर्ड ने भी की है। इन बोर्ड के अधिकारी यहां की परीक्षा शाखा के कामकाज को देखने पटना भी आए। अब वे अपने राज्यों में इसे लागू करने जा रहे हैं। केवल राज्य बोर्ड ही नहीं दूसरे देश में भी बोर्ड की उपलब्धियों की गूंज पहुंची है। हाल ही में नेपाल के परीक्षा बोर्ड की टीम बिहार बोर्ड की परीक्षा प्रणाली समझने के लिए पटना पहुंची थी। संतुष्ट होकर अपने देश रवाना हुई।

कम समय में कॉपियों का मूल्यांकन : बिहार बोर्ड में हर वर्ष मैट्रिक की परीक्षा के लिए लगभग 16-18 लाख एवं इंटर के लिए 14-16 लाख विद्यार्थी परीक्षा फॉर्म भरते हैं। इतनी बड़ी संख्या में कॉपियों के मूल्यांकन के बाद परिणाम काफी कम दिनों में जारी हो रहे हैं।

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति का मुख्यालय। • जागरण

नई तकनीक व सॉफ्टवेयर साबित हुए वरदान : बोर्ड अध्यक्ष आनंद किशोर स्वयं आइआइटी कानपुर के छात्र रहे हैं। तकनीक से परिचित होने के कारण बोर्ड की कई प्रणालियों को स्वयं अपने निर्देशन में तैयार कराया है। इन तकनीकों के इस्तेमाल से कार्यप्रणाली में सुधार के कारण यह अब देश के बेहतर बोर्ड में शुमार होने लगा है। पैटर्न में बदलाव से वर्ष 2019 में बोर्ड का परिणाम भी सुधरा है। 80 फीसद से अधिक परीक्षा परिणाम रहा है। छात्रों ने 94 फीसद तक अंक प्राप्त किए हैं।

कॉपियों एवं ओएमआर शीट पर पहले से अंकित रहता है नाम : समिति ने वर्ष 2019 में पहली बार विद्यार्थियों के नाम, रौल नंबर, रौल कोड, विषय आदि को उत्तरपुस्तिकाओं एवं ओएमआर पर अंकित कर सभी परीक्षार्थियों की अलग-अलग कॉपियां छपवाईं। बारकोडेड कॉपियों के अंक सीधे मूल्यांकन केंद्रों से ही कंप्यूटर में दर्ज हो जाते हैं। बोर्ड ने सभी विषयों के प्रश्नपत्र 10 सेट में तैयार कराए थे। जबकि सभी विषयों में 50 फीसद वस्तुनिष्ठ प्रश्न रखे थे।

2020 की परीक्षा में छात्रों को मिलेंगे खूब ऑप्शन : बिहार बोर्ड की 2020 की मैट्रिक एवं इंटर परीक्षा में भी 50 फीसद वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। हालांकि उनके पास विकल्प रहेगा। प्रश्नों की संख्या 20 फीसद अधिक रहेगी। इसके तहत 100 अंको वाली परीक्षा में 50 अंक वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के लिए निर्धारित होंगे। पेपर में 60 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। इनमें 50 के ही जवाब देने होंगे। 70 अंकों वाली परीक्षा में छात्रों से 35 अंक के वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। छात्रों को 42 ऑब्जेक्टिव प्रश्नों में से 35 का जवाब देना होगा।

माउस की क्लिक पर घूमेगी बिहार बोर्ड में फाइल

उपलब्धियों का क्रम जारी रखते हुए बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की ओर से वर्ष 2020 को भी यादगार बनाने की कोशिश जारी रहेगी। समिति द्वारा वर्ष 2020 में होने वाली मैट्रिक एवं इंटर परीक्षा में विद्यार्थियों को खूब विकल्प मिलेंगे। इसके लिए बिहार बोर्ड ने खास तैयारियां की है। परीक्षा समिति अपने सभी शाखाओं को पूरी तरह कंप्यूटराइज्ड करने के लिए आइपीआर सिस्टम लागू कर रही है। इससे बिहार बोर्ड के कार्य पूरी तरह कंप्यूटर बेस्ड हो जाएंगे। इससे बोर्ड पेपरलेस हो जाएगा। यहां फाइल भी माउस के सहारे घूमेगी (ट्रांसफर होगी)। इससे कार्य निष्पादन तेजी से होगा।

Establishment of State Of The Art Data Centre in BSEB

State of the art
Data Centre
set up in BSEB

200 TB capacity making it a Ultra- modern up-to-date Data Centre

The Bihar School of Examination Board has established state of the art Data Centre with a capacity of 200 TB for safe record keeping and for smooth running of IT enabled applications of BSEB. This will also enable BSEB running of software's/computer applications, high speed data transfer and data encryption/security.

Establishment of ERP in BSEB

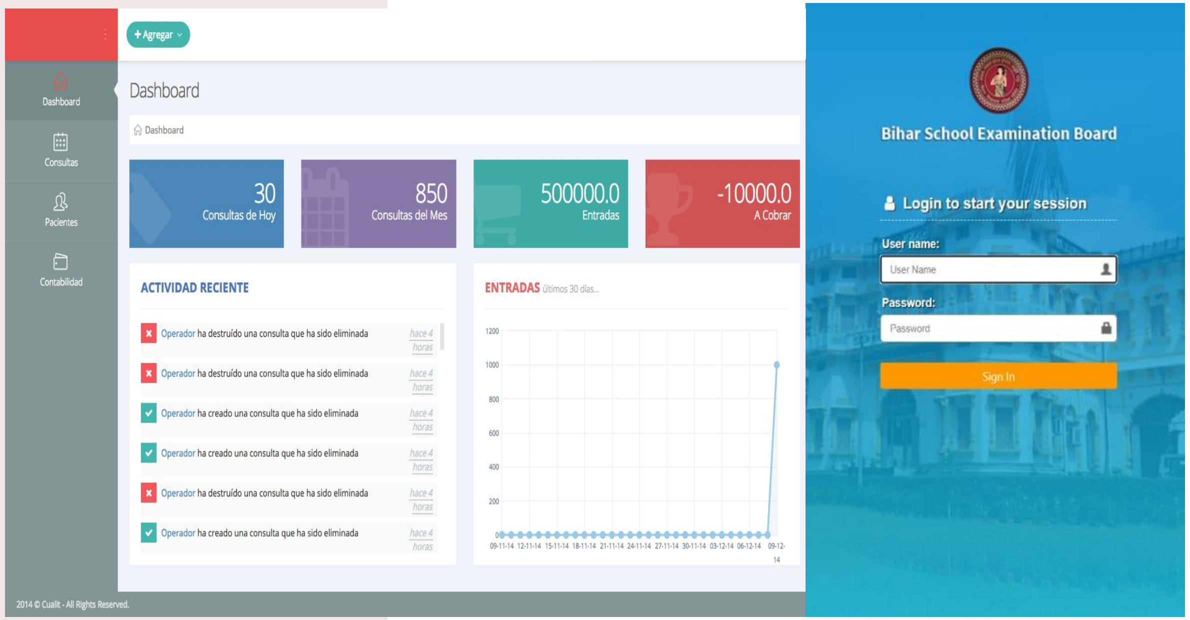

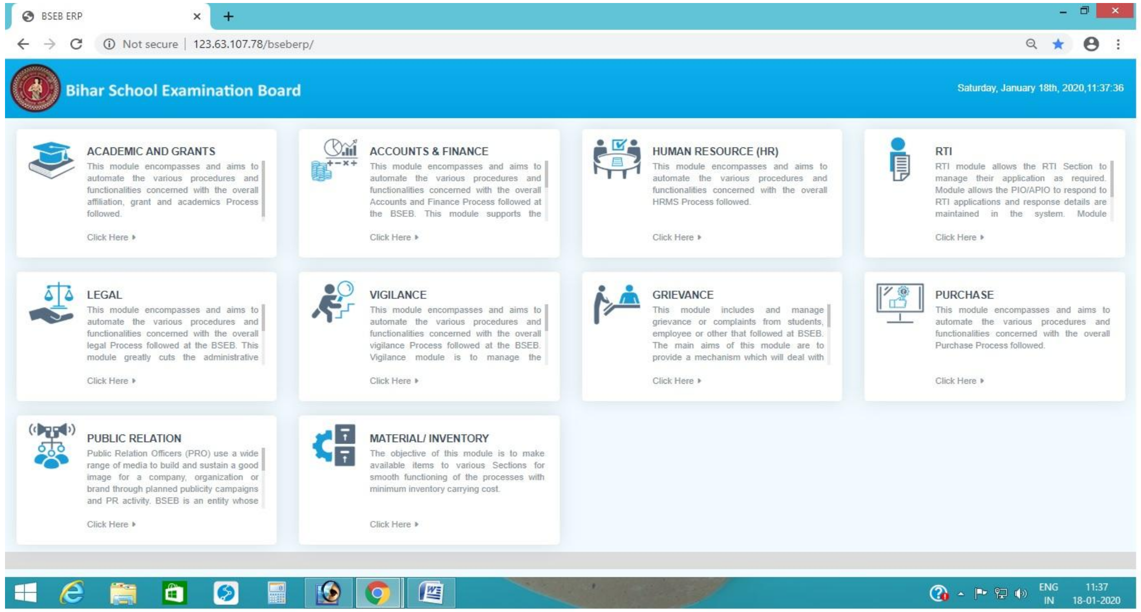

Introduction of ERP (Enterprise Resource Planning) for complete automation work of BSEB

The ERP System has been implemented in BSEB for complete automation of various works like personnel management, financial and accountancy management, RTI, Vigilance, Material Management etc.

Quizzes & Olympiads at School, District, Divisional & State Levels

Prizes of around
Rs. 1.05 Crore
were distributed in 2019 to the winners of Quizzes and Olympiads organised at School, District, Divisional & State Levels.

In a bid to promote Analytical & Extra Curricular Activities of BSEB Students, the Bihar School Examination Board is organising *QUIZZES and Olympiads* at School, District, Divisional and State Levels from the year 2019. Olympiads were organised in Science, Mathematics and English subjects. These Competitions are now part of the BSEB Calendar. These competitions have attracted a large number of students and are promoting their skills. In this way organising such competitions is sowing seeds of all round development of the students of Bihar Board. In the year 2019, BSEB distributed prizes of about Rs. 1.05 Crore among the winners of Quizzes and Olympiads at School, District, Divisional and State Levels.

BSEB: Emerges as a Role Model for other Boards

उपलब्धि. बोर्ड अध्यक्ष आनंद किशोर ने परीक्षा व्यवस्था में बदलावों की दी जानकारी

नेपाल ने बिहार बोर्ड से सीखे 'परीक्षा' के टिप्स

- बिहार बोर्ड पहुंची नेपाल की राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड की आठ सदस्यीय टीम

संवाददाता ▷ पटना

आधुनिक तकनीक का प्रयोग कर इंटर और मैट्रिक की वार्षिक व कंपार्टमेंटल परीक्षा का रिजल्ट रिकार्ड समय में जारी करने की बिहार बोर्ड की प्रक्रिया का मुरीद पड़ोसी देश नेपाल भी हुआ है. बिहार में लागू परीक्षा व्यवस्था का अध्ययन करने के उद्देश्य से नेपाल की राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड के उप परीक्षा नियंत्रक केपी घिमिरे के नेतृत्व में आठ सदस्यीय टीम शुक्रवार को बिहार बोर्ड पहुंची. टीम के अन्य सदस्यों में प्रभारी प्रोवेंसियल हेड पीआर काफले, देबाका खानल, आरसी नौपाने, राम कुमार थापा क्षेत्री, अमित नेवपाने, डीएम नेवपाने एवं मंगला बज्रचार्या शामिल रहे.

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के अध्यक्ष आनंद किशोर ने उनको बिहार बोर्ड के कार्यों से अवगत कराया. उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व भी छत्तीसगढ़ बोर्ड के द्वारा भी बिहार बोर्ड का इसी संबंध में टीम जून 2019 में विजिट कर चुकी है.

तकनीक आधारित व्यवस्था से प्रभावित दिखी नेपाल की राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड की टीम

नेपाल की टीम के साथ समिति के मुख्य भवन में बैठक हुई. इसमें समिति के अध्यक्ष आनंद किशोर, सचिव प्रमोद कुमार, सभी परीक्षा नियंत्रक एवं अन्य पदाधिकारी भी सम्मिलित हुए. इस दौरान केपी घिमिरे ने बताया कि बिहार बोर्ड द्वारा 2019 में देश में सबसे पहले रिजल्ट जारी करने की चर्चा नेपाल में भी है. घिमिरे ने कहा कि नेपाल बोर्ड के अध्यक्ष बिहार बोर्ड द्वारा परीक्षा व्यवस्था में किये गये बदलाव और रिजल्ट देने की प्रक्रिया में लागू तकनीक आधारित व्यवस्था से काफी प्रभावित हैं. उसके बाद ही उन्होंने नेपाल परीक्षा बोर्ड की टीम को बिहार बोर्ड भेजा है.

रिकॉर्ड समय में परीक्षा चक्र पूरा करने की ली जानकारी : नेपाल बोर्ड की टीम ने बिहार बोर्ड द्वारा रिकार्ड समय में परीक्षा चक्र (एग्जाम साइकिल) पूरा करने के कारणों और समिति द्वारा परीक्षा प्रणाली में लागू नयी तकनीकी व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली. उन्होंने उम्मीद जतायी कि नेपाल परीक्षा बोर्ड द्वारा नयी आधुनिक तकनीकों से परीक्षा प्रणाली को और अधिक बेहतर किया जा सकेगा.

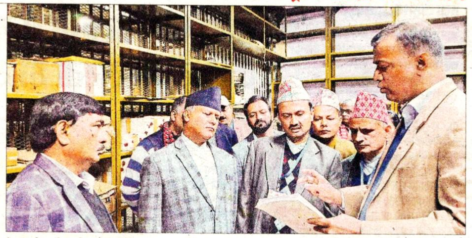

नेपाल की राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड की टीम को जानकारी देते बिहार बोर्ड के अध्यक्ष आनंद किशोर.

Chhattisgarh board keen to adopt BSEB techniques for fair exams & fast results

TIMES NEWS NETWORK

Patna: A team of Chhattisgarh Board of Secondary Education (CBSE) visited Bihar School Examination Board (BSEB) office here to study the technology adopted for early publication of Class X and XII examination results.

BSEB chairman Anand Kishor on Sunday said the timely examinations of matriculation, Intermediate and compartmental examinations and their results have attracted other state and central boards.

The Chhattisgarh board team led by its deputy secretary Sanjay Sharma visited the BSEB on June 7 and 8 and saw the demonstration of new technologies developed by the Bihar board, including answer sheets with bar coded lithocode (which carries candidate's name, roll number, registration number, year of examination and subject code), bar coding software and ten different sets of question papers.

> **"We developed several software programmes to make the results transparent and issue within a short period of time**
>
> **ANAND KISHOR**
> BSEB chairman

Kishor said, "Some of the software programmes that we developed is new in education system. We developed several software programmes to make the results transparent and issue within a short period of time. In this process, we also minimize the manual work. the Chhattisgarh team appreciated our work and expressed their desire to adopt some of our techniques."

According to BSEB sources, a few new techniques were designed by Kishor himself.

To improve its working, the BSEB has decided to print the students' photographs on the first page of answer copies.

The BSEB conducted Class X and XII examinations in February and declared results by March-end. Similarly, the compartmental examinations were held in April and the results were announced in May.

Kishor told this newspaper that all the state and central boards conducted the Class X and XII board examinations about the same time (February).

However, the BSEB was the first to declare the results in March while the other boards did it in May and June. "Several state boards have appreciated our techniques and also expressed their desire to adopt it," he said.

- With extensive use of IT and advanced technology in result processing and examination management, BSEB has emerged as among the best boards in the country.
- Emerged as role model for **NATIONAL BOARD OF NEPAL –** which sent its 8-member team to Bihar Board in 2019 to study the New Reformed Examination System of BSEB based on advanced technology.
- **Besides, the Examination Boards of our country like Chhattisgarh Examination Board** also sent a team in 2019 to study the drastic transformation and advanced systems and other technologies used by Bihar board in the last two years.

AWARDS & RECOGNITIONS

Extensive Reforms through multiple innovations by Bihar School Examination Board has been recognised at various national platforms which include the following :-

1

Award in the **"Government Initiative to Promote and Develop the Technologies"** category at the **14th World Education Summit, 2019** in New Delhi.

2

"Outstanding Contribution to Education Award" to **Chairman, BSEB** at **"Business Leader of the Year"** Award function organised in Mumbai.

3

"Education Pride of the Year 2020" award to the **Chairman, BSEB** at the **2nd National Education Excellence Conclave** organised in New Delhi.

बिहार बोर्ड को मिला वर्ल्ड एजुकेशन समिट अवार्ड

बिहार बोर्ड के अध्यक्ष को एजुकेशन प्राइड अवार्ड

परीक्षाओं में नई व्यवस्था लागू करने के लिए दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में मिला सम्मान

बड़ी उपलब्धि • मुंबई में आयोजित समारोह में कुशल नेतृत्व के लिए बोर्ड के अध्यक्ष आनंद किशोर ने सम्मान किया ग्रहण

बिहार बोर्ड को आउटस्टैंडिंग कंट्रीब्यूशन टू एजुकेशन अवार्ड

वर्ष 2019 में बिहार बोर्ड ने देश में कीर्तिमान स्थापित किया

Thank You